दैनिक जागरण
(09.09.2014)

○ आखिर यह क्या है... स्कूल खुलने से पहले साफ कराना पड़ते हैं बोतल व गिलास

स्कूल के गेट पर मयकशों का जमावड़ा

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

नियम है कि स्कूल के पास मयखाने नहीं खोले जाने चाहिए पर इसका पालन कराना अफसर भूल जाते हैं। रसूखदारों के सामने प्रशासन इतना बौना है कि बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ मयकशों के जमावड़े से भी जूझना पड़ रहा है। करोंद के एक निजी स्कूल के बगल में पिछले कई सालों से शराब दुकान कायम है और इसकी शिकायत भी लोगों ने की, लेकिन दुकान का बाल भी बांका नहीं हुआ। यह बात विधायक से लेकर पार्षद तक सभी को मालूम है। यहां तक कि मामला कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त तक जनसुनवाई में गया लेकिन दुकान आज भी कायम है।

नियम है कि स्कूल व मंदिर के निकट शराब दुकान नहीं चल सकती। इस नियम का उल्लंघन पिछले कई सालों से करोद में देखा जा रहा है। यहां एक निजी शिक्षण संस्था माधवी गौतम हायर सेकेन्डरी स्कूल है। शासन से मान्यता प्राप्त इस शिक्षण संस्था में नौनिहाल से लेकर किशोर उम्र तक के करीब पांच सौ से अधिक छात्र छात्राएं अध्ययन रत हैं। स्कूल दो दशक पुराना है। बताया जाता है कि लगभग पांच साल पहले स्कूल के गेट से सटे मकान में अंग्रेजी शराब की दुकान खोल दी गई और अब आहाता भी संचालित है। जहां रात तो रात दिन में भी मयकशों का जमावड़ा लगा रहता है। सुबह जब छात्र छात्राएं स्कूल पहुंचती है तो उन्हें मयकशों के डर से स्कूल के पिछले दरवाजे से जाना पड़ता है और शाम को जब स्कूल की छुट्टी होती है तब मयकशों की फबतियों व अश्लील वार्तालाप का सामना करना पड़ता है। शराब दुकान संचालक कितने रसूखदार हैं कि नियमों का उल्लंघन कर स्कूल के बगल में चल रही शराब दुकान जन सुनवाई में की गई शिकायत के बाद भी नहीं हट सकी। खास बात यह है कि कई अभिभावकों ने इस दुकान की वजह से अपनी किशोर उम्र की कन्याओं को स्कूल से ही बाहर निकाल लिया। स्कूल संचालक एनके गौतम का कहना है कि बच्चों के लिए उन्होंने दूसरा रास्ता निकाला है, लेकिन स्कूल का प्रांगण तो वैसा ही रहेगा जहां बच्चे खेलते हैं। उन्होंने मुख्य द्वार पर ताला भी लगा दिया है ताकि क[ोई] शराबी स्कूल में प्रवेश न कर सके।

लोगों ने कहा हटाएं शराब दुकान दैनिक जागरण द्वारा रविवार को आयोजि[त] कार्यक्रम आमने सामने में लोगों की सब[से] बड़ी समस्या शराब दुकान और कलारी उभर कर सामने आई थी। कांग्रेस [की] स्थानीय नेत्री रंजना शर्मा ने खुलकर य[ह] मामला उठाया जिसका समर्थन भाज[पा] नेत्रियों व कार्यकर्ताओं ने भी किया। ए[क] अन्य प्रतिष्ठित नागरिक रियाज मौलाना [ने] भी हाउसिंग बोर्ड चौराहे पर स्थित कला[री] को हटाने की मांग की जिसका समर्थ[न] स्थानीय नागरिकों ने किया।

मंदिर में भरा सीवेज -कृषक नग[र] मंदिर में पिछले छह माह से सीवेज जा र[हा] है और अब हालत यह है कि यह श्रद्धालु[ओं] की श्रद्धा पर भी भारी पड़ रहा है। कांग्रे[स] के नेता नारायण सिंह ठाकुर ने मौके [पर] बताया कि कई बार शिकायत की जा चुक[ी] है लेकिन नगर निगम ध्यान नहीं दे रह[ा]। स्थानीय नेता कृष्णा पचौरी का कहना है कि यहां नाली बनाई जाना थी जो नहीं बन[ी] जिसकी वजह से गंदगी मंदिर में जा रही है